

Mingazzelli, Gr.-Cod. N^o4, σημ. 279-297.

Pouggasvos

Παχώμιος

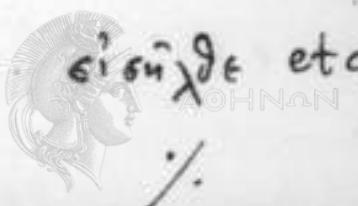
"Υπό Μινγαζέλλι περιγράφοντος ἐδίδω. τὸν ὃντα. i27 μώδινα (16 ει.) συμβούται:

"XIII. Pag. 133. Tit. + παχώμιος μοναχοῦ. ματὰ ἀγιονεπιγόρυθ. ἢ τοι etc. ut cod. 125 num. 18'

"XIV. Pag. 142. Tit. + τοῦ αὐτοῦ. περὶ εἰμόνος μαὶ τοῦ μετ' εἰμόνα. In marg. ²¹εστι
ματὰ ἀρετανῶν μαὶ νεστοριανῶν. Vid. cod. 125. num. 19.

"XV. Pag. 149. Tit. παχώμιος μοναχοῦ. ὄμηξις εἰς τινὰ τῶν βυτῶν etc. ut cod.
125. num. 24.

"XVI. Pag. 164. Tit. παχώμιου μοναχῆ. εἰ ἐν δή τιναῖς ^{παντὶ πόλει} εἰσῆλθε etc.



Initium: ὁ Θεός Γέρατος σὺν ἐποιησε ματά τῷ γέρᾳ.

XVII. Pag. 167. Tit. + παχυμίς μοναχοῦ.^{*} λόγος πρόποδογύπτιος τε etc. ut cod. 125 num. 2a

XVIII. Pag. 190. Epistola ejusdem Pachomii. Inscription + διουντίων ιερομονάχη τῷ παχυμί-

T^ο. Initium: σῖνες Σπέντα με τῷ γερή. Vid. ad. 125. num. 21. ~~~~~

XIX. Pag. 191. Opusculum ejusdem Pachomii, nempe collectio monumentorum ecclesiasti-
corum, ex quibus constat, ritum Monachorum debere esse επιμήκειον. Tit. + βασιλική¹
διάρρησης αργάνων. ὅτι δὲ τοῦτον τὸν πονηρὸν πονηρὸν κατίσταται ~~~~

XX. Pag. 207. Epistola ejusdem. Tit. παχυμίς μοναχοῦ. Inscription: μαρτυρί-
τῷ ποτε πρόποδι τοσαύτης. Initium: ἐγώ μὲν τὸ μέντοντα τοῖς δισ-

XXI. Pag. 213. Ejusdem canon, ut greci vocant, in Sanctos Athanasium
et Cyrilum. Tit. παχυμίου: μὴ τοδιάσιν μη τοι γέγον οὐτανθῆσε. >

* [παχυμίος Πουσσάνος]

